भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 834
मंगलवार, 27 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में हिमनद विज्ञान का अध्ययन

834. श्री प्रताप सिंह बाजवा:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(1) क्या देश में कोई सरकारी या निजी विश्वविद्यालय हिमनद विज्ञान (ग्लेशियोलॉजी) पर स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(2) वर्ष 2010 से हिमनद विज्ञान (ग्लेशियोलॉजी) पाठ्यक्रमों के लिए कितने छात्रों को दाखिला दिया गया है;
(3) वर्ष 2010 से अब तक कितने छात्र/छात्राओं ने हिमनद विज्ञान (ग्लेशियोलॉजी) पाठ्यक्रम पूर्ण किया है; और
(4) क्या मंत्रालय को देश में आवश्यक हिमनद विज्ञानियों की संख्या का अनुमान है तथा सरकार ने हिमनद विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) देश में किसी सरकारी या निजी विश्वविद्यालय में हिमनद विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित नहीं किया जाता है। तथापि, भारत में अनेक केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों, आईआईटीज और आईआईएसईआरएस में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरों पर पृथ्वी विज्ञान/भूविज्ञान के विद्यार्थियों को भू-आकृति विज्ञान की एक शाखा के रूप में हिंमनद विज्ञान पढाया जाता है। इसके अतिरिक्त, अनेक शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में हिमनद विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रश्नों के संबंध में अनेक पीएचडी की जाती हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पास देश में आवश्यक हिमनद विज्ञानियों की संख्या का कोई अनुमान नहीं है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय कुछ विश्वविद्यालयों के साथ हिमनद विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए वकालत कर रहा है।